प्रारूप – 3

भाग – 2
(सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा भरा जाएगा)

1. **परियोजना या स्कीम की अवस्थिति–**
   (क) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र उत्तराखण्ड
   (ख) जिला देहरादून
   (ग) जिला वन प्रभाग चकराता वन प्रभाग (देवघर रेंज त्यूनी)
   (घ) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र

2. पूर्वेक्षण के लिए पहचानी गई वन भूमि की विधिक प्रास्थिति।

3. **अपवर्जन के लिए प्रस्तावित वन भूमि में उपलब्ध वनस्पति का ब्यौरा–** आरक्षित वन भूमि 0.054 हे०
   (क) वन का प्रकार
   (ख) वनस्पति का औसत पूर्ण घनत्व
   (ग) प्रजातिवार स्थानीय या वैज्ञानिक नाम और गिराए जाने के लिए अपेक्षित वृक्षों की परिगणना लागू नहीं।
   (घ) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली वन भूमि के लिए कार्यकरण योजना का नुस्खा लागू नहीं

4. भूक्षारण के लिए पूर्वेक्षण हेतु उपयोग की जाने वाली वन भूमि की स्थलाकृति और क्षीणता पर संक्षिप्त टिप्पणी लागू नहीं

5. वन भूमि की सीमा से पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की लगभग दूरी। लागू नहीं।

6. वन्य जीव की दृष्टि से पूर्वेक्षण में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की महत्ता। लागू नहीं।
   (क) पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के लगभग विद्यमान वन्यजीव का ब्यौरा। लागू नहीं
   (ख) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी कोरीडोर वन्यजीव अत्प्रवास गलियारे आदि के भाग का निर्माण करते है (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और उपाबद्ध किए जाने में मुख्य वन्य जीव वार्डन की और टीका टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)। लागू नहीं
   (ग) क्या किसी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से दस कि0मी0 के भीतर अवस्थित है (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्य वन्य जीव वार्डन की टीका टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)। लागू नहीं
   (घ) क्या किसी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे वन्य जीव उत्प्रवास आदि पूर्वेक्षण के लिए उपयोजित की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से एक कि0मी0 के भीतर अवस्थित है (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्य वन्य जीव वार्डन की टीका टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)। लागू नहीं
   (ड) क्या क्षेत्र में वनस्पति और जीव जंतु के अलग या खतरे में अलग किस्म के खतरे की प्रजातियां है, यदि है, तो उसके ब्यौरे।

7. क्या क्षेत्र में कोई संरक्षित पुरातत्वीय या विरासत स्थल या प्रतिरक्षात्मक स्थापनं या कोई महत्वपूर्ण संस्मारक अवस्थित है (यदि ऐसा है, तो उपाबद्ध किए जाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण–पत्र (एन ओ सी) के साथ उसका ब्यौरा दे) लागू नहीं। —

8. पूर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के विस्तार की युक्तियुक्तता के बारे में टीका टिप्पणियां दें–
   (क) क्या भाग–1 के पैरा 6 और पैरा 7 में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा यथाप्रस्तावित वन भूमि की अपेक्षा अपरिहार्य है, और परियोजना के लिए अति न्यूनतम है। लागू नहीं।
   (ख) यदि नही तो वन भूमि के सिफारिश किए गए क्षेत्र जिसके पूर्वेक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है। लागू नहीं।

9. किए गए अतिक्रमण के ब्यौरे–
   (क) क्या अधिनियम या अधिनियम के अधीन मार्गदर्शन सिद्धांतो के अतिक्रमण में किसी कार्य को किया गया है (हां/नही) नहीं।
   (ख) यदि हां, की गई कार्य अवधि अतिक्रमण में अंतर्वलित वन भूमि, अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) का नाम, पते और पदनाम सहित अतिक्रमण के ब्यौरे और अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) के विरूद्ध की गई कार्यवाही।
   (ग) क्या अतिक्रमण में कार्य अब भी प्रगति में है (हां/नही) नहीं

10. क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के ब्यौरे–
   (क) क्षतिपूरक वनरोपण बढ़ाने के लिए पहचान की गई वन भूमि की विधिक प्रास्थिति।

Scanned with CamScanner

(ख) अवस्थिति, सर्वेक्षण या कम्पार्टमेंट या खसरा संख्या क्षेत्र और क्षतिपूरक वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वन क्षेत्र या अवनत वन जैसे ब्यौरे दें। लागू नहीं

(ग) क्षतिपूरक वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वनीकरण या अवनत वन दर्शित करने वाले 1:50,000 माप के मूल में स्थल परत भारत का सर्वेक्षण और सामीप्य वन सीमाएं संलग्न है। दर्शित कर दिया है।

(घ) रोपित की जाने वाली प्रजातियों कार्यन्वयन अभिकरण, समय सूची, लागत संरचना आदि सहित क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के ब्यौरे संलग्न है (हां/नही) है

(ङ) क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के लिए कुल वित्तीय उपरिव्यय–

(च) क्या क्षतिपूरक वनरोपण के लिए और प्रबन्धन के दृष्टिकोणों से पहचानकर किए गए क्षेत्र की युक्तियुक्तता के बारे में संबद्ध उपवन संरक्षक से प्रमाण–पत्र संलग्न है (हां/नही) है

14. वनस्पति और जीव जंतु पर प्रस्तावित क्रियाकलापों के समाधात से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में लाने वाले उप वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट संलग्न है (हां/नही) लागू नहीं

15. स्वीकृति या अन्यथा कारणों के साथ प्रस्ताव के लिए उप वन संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिश। प्रस्तावित प्रस्ताव की तकनीकी एवं वित्तीय ... प्राक्कलन, निर्माण कार्य प्रभावित [illegible] के ... [illegible] नियमों के परिपेक्ष में से प्राप्त प्रमाण पत्रों / दस्तावेजों के अनुसार तथा ... द्वारा दिनांक 2-7-2019 को प्रस्तावित ... स्थलीय निरीक्षण किया गया है। उपरान्त प्रस्ताव ... की संस्तुति की जाती है।

(दीप चन्द्र आर्य)

दिनांक 16-7-2019

स्थान कालसी

हस्ताक्षर

नाम

प्रभागीय वनाधिकारी
चकराता वन प्रभाग
[illegible]

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम
नया बकराता (पुरोड़ी)

उप-प्रभागीय वनाधिकारी
चकराता वन प्रभाग
कालसी